ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शनिवार 13 जून 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 63

असम में एयरफोर्स का AN-32 ट्रांसपोर्ट विमान क्रैशः पायलट समेत 5 जवानों की मौत, राजस्थान के अग्निवीर खेमाराम भी शहीद; लैंडिंग के दौरान हुआ दर्दनाक हादसा

24 न्यूज अपडेट

जोरहाट/नई दिल्ली। असम के जोरहाट स्थित रौरिया इंडियन एयरबेस पर शनिवार सुबह भारतीय वायुसेना का AN-32 ट्रांसपोर्ट विमान लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में पायलट सहित पांच वायुसेना कर्मियों की मौत हो गई, जबकि एक सह-पायलट गंभीर रूप से घायल हो गया। विमान रनवे पर उतरने की कोशिश कर रहा था, तभी वह दुर्घटनाग्रस्त होकर दो हिस्सों में बंट गया और उसमें भीषण आग लग गई। एयरबेस पर तुरंत इमरजेंसी प्रोटोकॉल लागू करते हुए फायर ब्रिगेड और सैन्य बचाव दल ने आग पर काबू पाया।

भारतीय वायुसेना ने पुष्टि की है कि दुर्घटनाग्रस्त विमान नियमित प्रशिक्षण एवं परिवहन उड़ान पर था। हादसे के कारणों का अभी खुलासा नहीं हुआ है और मामले की जांच के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दे दिए गए हैं। वायुसेना ने अपील की है कि शुरुआती जांच पूरी होने से पहले किसी भी तरह की अटकलें न लगाई जाएं।

पांच जवानों ने गंवाई जान

दुर्घटना में स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम की मौत हो गई। हादसे में एक को-पायलट घायल हुआ है, जिसका उपचार सैन्य अस्पताल में चल रहा है।

राजस्थान के खेमाराम कुमावत की शादी की चल रही थी तैयारी

हादसे में शहीद हुए अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत राजस्थान के डीडवाना-कुचामन जिले के पांचोता गांव के निवासी थे। परिवार में उनकी शादी को लेकर बातचीत चल रही थी और जल्द ही रिश्ता तय होने की उम्मीद थी। बेटे की शहादत की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

बिहार के इकलौते बेटे दानिश आलम भी शहीद

अग्निवीरवायु दानिश आलम बिहार के भोजपुर जिले के कोईलवर प्रखंड के कुल्हाड़ियां गांव के रहने वाले थे। अक्टूबर 2025 में वायुसेना में भर्ती हुए दानिश परिवार के इकलौते बेटे थे। वे 30 मई को छुट्टी बिताकर वापस ड्यूटी पर लौटे थे। उनके शहीद होने की खबर से पूरे गांव में मातम पसर गया है।

यूपी के सार्जेंट जितेंद्र शर्मा की भी टूट गई जीवन की डोर

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ निवासी सार्जेंट जितेंद्र शर्मा वर्ष 2014 में भारतीय वायुसेना में भर्ती हुए थे। परिवार में उनकी मां और दो बड़े भाई रमाकांत तथा भूपेंद्र हैं। सबसे छोटे जितेंद्र हाल ही में छुट्टी बिताकर 5 जून को ड्यूटी पर लौटे थे और परिवार में उनकी शादी की चर्चा चल रही थी। हादसे ने परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया।

हादसे के बाद विमान में लगी भीषण आग

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लैंडिंग के दौरान विमान अचानक नियंत्रण खो बैठा और रनवे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। टकराते ही उसमें आग लग गई और कुछ ही क्षणों में विमान दो हिस्सों में टूट गया। एयरबेस से उठता धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई दिया। मौके पर मौजूद फायर ब्रिगेड और सेना के जवानों ने त्वरित कार्रवाई कर आग बुझाई और राहत कार्य शुरू किया।

AN-32: दुर्गम इलाकों का भरोसेमंद विमान

AN-32 भारतीय वायुसेना का मध्यम क्षमता वाला सामरिक परिवहन विमान है, जिसका उपयोग सैनिकों, हथियारों और सैन्य सामग्री की ढुलाई के लिए किया जाता है। यह विशेष रूप से हिमालयी और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में संचालन के लिए जाना जाता है। 1980 के दशक से यह वायुसेना की मीडियम-लिफ्ट ट्रांसपोर्ट क्षमता की रीढ़ माना जाता रहा है।

हालांकि अब भारतीय वायुसेना इन पुराने विमानों को चरणबद्ध तरीके से बदलने की तैयारी कर रही है। रिपोर्टों के अनुसार, AN-32 और IL-76 बेड़े की जगह नए मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट खरीदे जाने की योजना पर काम चल रहा है, ताकि भविष्य की सैन्य आवश्यकताओं को अधिक आधुनिक तकनीक के साथ पूरा किया जा सके।

इस साल कई विमान हादसे हो चुके

वर्ष 2026 में वायुसेना से जुड़े कई हादसे सामने आ चुके हैं। जनवरी में उत्तर प्रदेश में प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें दोनों पायलट सुरक्षित बच निकले। फरवरी में एक तेजस लड़ाकू विमान टेक-ऑफ के दौरान रनवे से बाहर चला गया था। मार्च में असम के कार्बी आंगलोंग में प्रशिक्षण के दौरान Su-30MKI विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से दो पायलटों की मौत हुई थी। अप्रैल में पुणे इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर वायुसेना के लड़ाकू विमान की हार्ड लैंडिंग के कारण रनवे कई घंटों तक बंद रखना पड़ा था।

ताजा हादसे ने एक बार फिर सैन्य विमानों की सुरक्षा और पुराने ट्रांसपोर्ट बेड़े के आधुनिकीकरण की आवश्यकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पूरे देश में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी जा रही है, वहीं उनके परिवारों में मातम का माहौल है और लोग इस अपूरणीय क्षति से गहरे सदमे में हैं।

राहुल कोटा से करेंगे पेपरलीक के खिलाफ आंदोलन की शुरुआत

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। नीट पेपरलीक मामले के बाद अब कांग्रेस ने इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। इसकी शुरुआत 17 जून से कोटा से की जाएगी। राहुल गांधी 17 जून को कोटा में स्टूडेंट सम्मेलन करेंगे। इस सम्मेलन में पेपरलीक और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर राहुल गांधी स्टूडेंट्स से बात करेंगे। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है। वेणुगोपाल ने कहा- राहुल गांधी देश के छात्रों और युवाओं के लिए लगातार आवाज उठाने में एक विश्वसनीय आवाज बनकर उभरे हैं। कोटा के बाद 10 जुलाई को प्रयागराज, 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को दिल्ली में स्टूडेंट सम्मेलन होंगे। वेणुगोपाल ने कहा- स्टूडेंट सम्मेलनों में प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों, युवा संगठनों, शिक्षकों और पेपरलीक घोटालों से सीधे प्रभावित सभी लोगों को एक साथ लाया जाएगा। यह अभियान उन लाखों युवा भारतीयों की समस्याओं को सामने लाएगा जिनका भविष्य पेपर लीक, परीक्षा की बढ़ती लागत और एक निष्पक्ष पारदर्शी भर्ती प्रणाली नहीं होने से प्रभावित हो रहा है।

देश को पहली बार आईएमए से मिलीं नौ महिला सैन्य अफसर

24 न्यूज अपडेट

देहरादून। देहरादून भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में शनिवार को एक और इतिहास रचा गया। अकादमी की पासिंग आउट परेड (पीओपी) में पहली बार नौ महिला सैन्य अफसर पासआउट होकर भारतीय सेना का हिस्सा बनीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मौजूदगी में आयोजित इस ऐतिहासिक समारोह में कुल 515 जेंटलमैन कैडेट्स ने अंतिम पग पार कर सैन्य जीवन की नई शुरुआत की। इनमें 481 भारतीय कैडेट और 16 मित्र देशों के 34 कैडेट शामिल रहे। आईएमए के ऐतिहासिक मैदान में सुबह से ही उत्साह और गौरव का माहौल रहा। परेड की शुरुआत सुबह 6:40 बजे हुई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चैटवुड भवन पहुंचीं और परेड की सलामी ली। इस दौरान राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.), मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी समेत सेना और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। कदमताल करते हुए कैडेट्स ने सैन्य अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना का प्रदर्शन किया। परेड का सबसे खास और ऐतिहासिक क्षण वह रहा, जब पहली बार आईएमए से प्रशिक्षित नौ महिला कैडेट्स सैन्य अफसर के रूप में पासआउट हुईं। इस वर्ष की पासिंग आउट परेड में शामिल 515 कैडेट्स में नौ महिला कैडेट्स सहित कुल 481 भारतीय कैडेट थे।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ होंगे देश के नए आर्मी चीफ, 30 जून को संभालेंगे कमान

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारतीय सेना के नए प्रमुख (चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ) के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। वह वर्तमान सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो रहा है। इसी दिन लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ भारतीय सेना के 31वें आर्मी चीफ के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे। वर्तमान में धीरज सेठ उप सेना प्रमुख (Vice Chief of Army Staff) के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने 1 अप्रैल 2026 को यह जिम्मेदारी संभाली थी और महज दो महीने बाद अब उन्हें सेना की सर्वोच्च कमान सौंपी जा रही है। उप सेना प्रमुख के रूप में वह सेना प्रमुख के साथ सैन्य संचालन, रणनीतिक तैयारियों, आधुनिकीकरण और नई तकनीकों के समावेश जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर काम कर रहे थे।

चार दशक का सैन्य अनुभव

दिसंबर 1986 में आर्मर्ड कोर में कमीशन प्राप्त करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को भारतीय सेना में लगभग 40 वर्षों का व्यापक अनुभव है। अपने लंबे सैन्य करियर के दौरान उन्होंने जम्मू-कश्मीर, पश्चिमी सीमा और रेगिस्तानी क्षेत्रों सहित कई संवेदनशील मोर्चों पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। उन्होंने दक्षिण-पश्चिमी कमान और दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (GOC-in-C) के रूप में भी सेवाएं दी हैं। वे उन चुनिंदा वरिष्ठ अधिकारियों में शामिल हैं जिन्होंने पश्चिमी मोर्चे पर दो प्रमुख ऑपरेशनल कमानों का नेतृत्व किया है। इसके अलावा उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के अंगोला शांति मिशन, सेना मुख्यालय और क्षमता विकास से जुड़े विभिन्न रणनीतिक पदों पर भी कार्य किया है।

देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों से हासिल की सैन्य शिक्षा

धीरज सेठ ने अपनी प्रारंभिक सैन्य शिक्षा पुणे के नेशनल डिफेंस एकेडमी (NDA) और देहरादून की इंडियन मिलिट्री एकेडमी (IMA) से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने वेलिंगटन स्थित डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज (DSSC), महू के आर्मी वॉर कॉलेज और नई दिल्ली के नेशनल डिफेंस कॉलेज से उच्च सैन्य प्रशिक्षण लिया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने फ्रांस के कॉलेज इंटरआर्मे डी डिफेंस में जनरल स्टाफ कोर्स तथा अमेरिका के नेवल पोस्टग्रेजुएट स्कूल में इंटरनेशनल डिफेंस एक्विजिशन मैनेजमेंट कोर्स पूरा किया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें कई प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुए, जिनमें यंग ऑफिसर्स कोर्स का 'सिल्वर सेंचुरियन' पुरस्कार और 2006 में DSSC का बेस्ट ऑल राउंड स्टूडेंट ऑफिसर मेडल शामिल है। जूनियर कमांड कोर्स समेत कई सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उन्होंने प्रथम स्थान हासिल किया।

सेना की विरासत वाले परिवार से हैं

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ सैन्य परंपरा वाले परिवार से आते हैं। उनके पिता लेफ्टिनेंट जनरल कृष्ण मोहन सेठ भारतीय सेना में एडजुटेंट जनरल के पद से 1997 में सेवानिवृत्त हुए थे। उन्होंने भारतीय सेना की महत्वपूर्ण XXI स्ट्राइक कोर और III कोर जैसी प्रमुख सैन्य संरचनाओं की कमान भी संभाली थी। धीरज सेठ की पत्नी कोमल सेठ हैं और निजी जीवन में उन्हें टेनिस तथा गोल्फ खेलने का विशेष शौक है। विशेषज्ञों का मानना है कि लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ के नेतृत्व में भारतीय सेना के आधुनिकीकरण, नई सैन्य तकनीकों के समावेश, सीमा सुरक्षा और भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप युद्धक क्षमता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उप सेना प्रमुख के रूप में उनके अनुभव और विभिन्न ऑपरेशनल कमानों में निभाई गई भूमिकाएं उन्हें इस जिम्मेदारी के लिए मजबूत विकल्प बनाती हैं। 30 जून को कार्यभार संभालने के साथ ही धीरज सेठ भारतीय सेना की कमान संभालने वाले 31वें प्रमुख बन जाएंगे और देश की सुरक्षा व्यवस्था में एक नई नेतृत्वकारी भूमिका निभाएंगे।की घटनाएं भी हो सकती हैं। तटीय क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

इंश्योरेंस कंपनी के नेशनल हेड से 50 हजार रुपये महीना हफ्ता मांगने वाला आरोपी गुरुग्राम से गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सूरजपोल थाना पुलिस ने इंश्योरेंस कंपनी के नेशनल हेड को फोन पर जान से मारने की धमकी देकर हर महीने 50 हजार रुपये की अवैध वसूली मांगने वाले आरोपी को हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी ने पूछताछ में हफ्ता वसूली के उद्देश्य से धमकी देना स्वीकार किया है। फिलहाल उसे न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है और मामले की गहन जांच जारी है। पुलिस के अनुसार 29 अप्रैल 2026 को तीतरड़ी निवासी तरुण डांगी, जो वर्तमान में स्क्वायर इंश्योरेंस कंपनी की उदयपुर शाखा में नेशनल हेड के पद पर कार्यरत हैं, ने सूरजपोल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर उन्हें कंपनी में नौकरी करने देने की एवज में प्रतिमाह 50 हजार रुपये देने की मांग की। साथ ही रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। प्रकरण दर्ज होने के बाद जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) उमेश ओझा तथा नगर पूर्व वृत्ताधिकारी जगदीश प्रसाद के सुपरविजन में सूरजपोल थानाधिकारी रतन सिंह चौहान के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सूचनाओं के आधार पर जांच आगे बढ़ाई, जिसमें मामले में गगनदीप ग्रोवर उर्फ बिठ्ठल की संलिप्तता सामने आई। इसके बाद पुलिस की अलग-अलग टीमों ने पंजाब के फिरोजपुर और हरियाणा के गुरुग्राम में दबिश दी। आखिरकार आरोपी गगनदीप ग्रोवर उर्फ बिठ्ठल (27), पिता शम्मी कुमार, निवासी लक्ष्मी एनक्लेव, इनसाइड अमृतसरी गेट, फिरोजपुर सिटी (पंजाब) हाल निवासी सी-ब्लॉक, सुशांत लोक-1, सेक्टर-43, गुरुग्राम को गुरुग्राम से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने तरुण डांगी को डराकर हर महीने हफ्ता वसूलने की नीयत से फोन पर धमकियां दी थीं। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड हासिल किया है, ताकि मामले से जुड़े अन्य पहलुओं और संभावित नेटवर्क की जांच की जा सके। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में थानाधिकारी रतन सिंह चौहान, सहायक उपनिरीक्षक शिशराम, सहायक उपनिरीक्षक शरीफ खान, कांस्टेबल हितेंद्र सिंह, कांस्टेबल गणिराज सिंह तथा कांस्टेबल पवन शामिल रहे। पुलिस अब आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड, उसके संपर्कों और इस तरह की अन्य घटनाओं में संभावित संलिप्तता की भी जांच कर रही है।

मोबाइल पर बातचीत के विवाद में नाबालिग को किया प्रताड़ित, आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में दो गिरफ्तार, दो बाल अपचारी डिटेन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। डबोक थाना पुलिस ने गोवला गांव में नाबालिग बालक की आत्महत्या के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए उसे आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है, जबकि घटना में शामिल दो विधि से संघर्षरत बालकों को डिटेन किया गया है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली हैं। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल और मावली वृत्ताधिकारी रामकुमार के सुपरविजन में डबोक थानाधिकारी गोपालनाथ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आसूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर प्रकरण संख्या 154/2026 की जांच करते हुए यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार मामला गोवला गांव में एक नाबालिग बालक द्वारा पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या करने से जुड़ा है। जांच में सामने आया कि मृतक की एक आरोपी की बहन से मोबाइल पर बातचीत को लेकर विवाद हुआ था। इसी बात से नाराज होकर 7 जून 2026 को आरोपी दिनेश, कृष्णा उर्फ किशन तथा दो विधि से संघर्षरत बालक मृतक को उसके घर से अपने साथ ले गए और उसके साथ मारपीट करते हुए उसे डराया-धमकाया। प्रारंभिक जांच में पुलिस का मानना है कि इस प्रताड़ना और मानसिक दबाव के कारण ही नाबालिग ने फांसी लगाकर आत्महत्या जैसा कदम उठाया। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 107 के तहत जांच की जा रही है। पुलिस ने इस मामले में दिनेश (23) पुत्र नानालाल निवासी ओटा फला, गोवला तथा कृष्णा उर्फ किशन (22) पुत्र केशूलाल निवासी माना फला, गोवला को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा घटना में शामिल दो विधि से संघर्षरत बालकों को डिटेन किया गया है।

संपादकीय : हादसों का सिलसिला

देश में हवाई सफर को सुलभ एवं किफायती बनाने के लिए विमान सेवाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। नए-नए अंतरराष्ट्रीय और घरेलू हवाई अड्डों का निर्माण किया जा रहा है। मगर यात्रियों की सुरक्षा के मोर्चे पर माकूल व्यवस्था का अभाव आज भी साफ नजर आता है। तकनीकी खराबी, प्रशिक्षित कर्मियों की कमी, मौसम की अप्रत्याशित चुनौतियां और सतर्कता की गंभीरता को नजरअंदाज किए जाने से होने वाली मानवीय चूक का ही नतीजा है कि विमान हादसों का सिलसिला थम नहीं रहा है। असम के जोरहाट में शनिवार को एएन-32 परिवहन विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें वायुसेना के पांच कर्मियों की जान चली गई। सवाल है कि देश भर में अब तक हुए विमान हादसों से सबक क्यों नहीं लिया जाता है ? कोई एक ही तरह की खामी बार-बार हादसों का कारण कैसे बन रही है? क्या दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों को आर्थिक मदद मुहैया करा देने भर से विमानन कंपनियों और संबंधित नियामक प्राधिकरणों की जिम्मेदारी पूरी हो जाती है भविष्य में इस तरह के हादसों पर रोक लगाने और विमान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का दायित्व आखिर किसका है? इसमें दोराय नहीं कि हाल के वर्षों में हवाई यात्रा की सुविधा को विस्तार देने के लिए उड़ानों की संख्या में बढ़ोतरी की गई है। मगर इसी अनुपात में पायलटों और अन्य प्रशिक्षित कर्मियों की तैनाती नहीं हो पाई है। इस कारण मौजूदा संचालन तंत्र पर दबाव बढ़ा है, जिससे मानवीय चूक की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन के अनुसार, लगभग पैंसठ फीसद विमान दुर्घटनाओं के पीछे मानवीय चूक एक प्रमुख कारक होती है। विमान के उड़ान भरने और जमीन पर उतरते समय जब स्थिति बिगड़ती है, तो काकपिट में होने वाला भ्रम भी हादसों का कारण बनता है। खबरों के मुताबिक, एएन-32 परिवहन विमान के साथ भी यही हुआ, हवाईअड्डे पर उतरते समय विमान का नियंत्रण बिगड़ गया और वह रनवे से फिसल कर दो हिस्सों में टूट गया, जिससे उसमें आग लग गई। इसके अलावा हिमालयी क्षेत्रों में मौसम और भौगोलिक बनावट भी उड़ान संचालन के लिए बेहद जोखिम भरी होती है। कई बार मौसम पूर्वानुमान की सटीक जानकारी न होने से विमान हादसे का शिकार हो जाता है। यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि क्या किसी विमान दुर्घटना के कारणों का गहराई से विश्लेषण कर संचालन व्यवस्था में सुरक्षात्मक उपायों को प्राथमिकता के आधार पर शामिल किया जाता है? हालांकि, हादसों की जांच और विश्लेषण की प्रक्रिया में समूचे तंत्र की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कई विमान दुर्घटनाओं की जांच रिपोर्ट तो सार्वजनिक ही नहीं की जाती है। अगर हादसा बड़ा हो, तो उसकी जांच पूरी होने में लंबा वक्त लग जाता है और फिर उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। पिछले साल अहमदाबाद में हुआ एअर इंडिया का विमान हादसा इसका उदाहरण है, जिसकी अंतिम जांच रिपोर्ट एक साल बाद भी सामने नहीं आई है। इस दुर्घटना में कुल 260 लोगों की मौत हो गई थी। हादसे के पीड़ित परिवार आज भी इस तथ्य के सामने आने का इंतजार कर रहे हैं। कि आखिर उस दिन विमान में हुआ क्या था । अगर किसी विमान हादसे की जांच रिपोर्ट आने में ही एक साल से ज्यादा का वक्त लग जाए, तो यात्रियों के सुरक्षित सफर की स्थिति क्या होगी, इसका आकलन करना मुश्किल नहीं है।

संदेह की लपटें

जिस चुनावी प्रक्रिया पर विपक्षी दलों की ओर से लगातार सवाल उठाए जाते रहे हों, कई तरह के आरोप लगाए जा रहे हों, उस पर कोई स्पष्टता आने के बजाय अगर चुनाव से जुड़े संसाधनों को लेकर घोर लापरवाही बरती जाए, तो इसे क्या कहा जाएगा? पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजे आए अभी ज्यादा समय नहीं हुआ, लेकिन उसमें उपयोग में लाई गई करीब चार हजार इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों का जल कर खाक हो जाने की घटना संदेह पैदा करती है। पिछले हफ्ते कोलकाता की सरकारी इमारत में ऊपरी मंजिलों पर रखी मशीनों में आग लग जाने के पीछे विपक्षी दलों ने साजिश की आशंका जताई है। सवाल है कि सभी ईवीएम अगर उच्च सुरक्षा क्षेत्र में रखी गई थीं, तो वहां आग कैसे लगी? खबरों के मुताबिक तीसरी मंजिल पर लगी आग सातवीं-आठवीं मंजिल तक पहुंच गई, जहां ईवीएम रखी गई थी। जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएं, लेकिन जिन इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों से मतदान कराने को लेकर तमाम विपक्षी दलों की ओर से बार-बार सवाल उठाए जाते रहे हैं, उनकी सुरक्षा और निगरानी में ऐसी गंभीर लापरवाही कैसे बरती गई? इतनी बड़ी तादाद में ईवीएम जल जाने की घटना के बाद स्वाभाविक ही न सिर्फ राजनीतिक दलों का, बल्कि मतदाताओं का भी भरोसा एक बार फिर डगमगाएगा। गौरतलब है कि बंगाल में चुनाव के पहले और उसके दौरान तृणमूल 'कांग्रेस ने मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण सहित पूरी चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। गंभीर आरोपों के बीच क्या यह चुनाव आयोग का दायित्व नहीं था कि वह ईवीएम की सुरक्षा और विश्वसनीयता को कायम रखने के पुख्ता इंतजाम करता? इससे जुड़े कई आरोपों पर स्पष्टता लाने के विपरीत हुआ यह कि पश्चिम बंगाल में ईवीएम के जल जाने की घटना ने संदेहों को और पुख्ता कर दिया है। ऐसे समय में जब वोटों की गिनती में गड़बड़ियों की जांच की मांग को लेकर अदालतों से हस्तक्षेप की मांग की जा रही हो, यह घटना चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा करती है। ईवीएम जल जाने की घटना के बाद मतदाताओं का भरोसा एक बार फिर कसौटी पर है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि लोकतंत्र मतदाताओं के विश्वास से चलता है। इसके टूटने से उसकी बुनियाद हिल सकती है।

झीलों की नगरी में 600 से अधिक सीए की मौजूदगी में आयोजित दो दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस का समापन

- नए अधिनियम में पूंजीगत लाभ के तहत टैक्स प्लानिंग पर गहन चर्चा की
- आयकर, ट्रस्ट टैक्सेशन, सर्च एंड सीजर तथा पूंजीगत लाभ कराधान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 13 जून। भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) की उदयपुर शाखा के तत्वावधान में झीलों की नगरी में बड़े बड़े उद्योगपतियों से लेकर आमजन के आमद खर्च का हिसाब रखने वालों की दो दिवसीय "नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डायरेक्ट टैक्स - 2026 चरैवेति" का सफल समापन रामी रॉयल रिसॉर्ट में हुआ। अंतिम दिन आयकर, ट्रस्ट टैक्सेशन, सर्च एवं सीजर तथा पूंजीगत लाभ कराधान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की। उदयपुर शाखा अध्यक्ष सीए चिराग धर्मावत ने बताया कि सम्मेलन के अंतिम दिवस के प्रथम सत्र में सीए मनीष डाफरिया, इंदौर ने चैरिटेबल ट्रस्ट टैक्सेशन के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि अब नए आयकर अधिनियम में ट्रस्ट के टैक्सेशन को सरल भाषा में वर्णित किया गया है। आयकर नियम के अनुसार चैरिटी का मतलब गरीबो की मदद जरूरी नही मेडिकल, एजुकेशन योगा भी चैरिटी के अंतर्गत समिलित है। सत्र सेशन चेयरमैन के रूप में सीए गौरव व्यास ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि नए आयकर अधिनियम में ट्रस्टों से संबंधित प्रावधानों को अधिक सरल एवं व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया गया है, जिससे करदाताओं और पेशेवरों को कानून को समझने में सुविधा होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि आयकर नियमों के अनुसार चैरिटी का अर्थ केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की सहायता करना ही नहीं है, बल्कि चिकित्सा सेवाएं, शिक्षा, योग, पर्यावरण संरक्षण तथा अन्य सामाजिक कल्याणकारी गतिविधियां भी चैरिटेबल उद्देश्यों में शामिल हैं। उन्होंने ट्रस्टों के पंजीकरण, अनुपालन, कर छूट और नवीन प्रावधानों से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी प्रकाश डाला। 2 दिवसीय सम्मेलन जानकारियों को साझा करने का मंच है जहां परंपरा और नवाचार एक दूसरे को जोड़ते हैं। शाखा अध्यक्ष धर्मावत ने विशिष्ट अतिथि भेराराम चौधरी (आईआरएस) एवं हीराराम चौधरी (आईआरएस), अतिरिक्त आयकर आयुक्त, उदयपुर एवं अन्य अतिथियो का स्वागत करते हुए अपने विचार व्यक्त किया। इस कांफ्रेंस में पब्लिकेशन सपोर्ट निदेशालय आयकर (पी आर एंड पी पी), आयकर विभाग का रहा। शाखा उपाध्यक्ष सीए सौरभ गोलछा ने बताया कि सीए सतीश चंद्र जैन की अध्यक्षता में द्वितीय सत्र सीए विष्णु अग्रवाल सीसीएम, मुंबई ने लिया जिन्होंने नए आयकर नियम के अनुसार सर्च और सीजऱ की बारीकी पर चर्चा की। उन्होंने सर्च एंड सर्वे में अंतर स्पष्ट करते हुए कहा की सर्वे सिर्फ व्यापार कार्यस्थल पर हो सकती है जबकि सर्च घर एवं व्यापार स्थल दोनों पर हो सकती है। सर्वे में इनकम टैक्स विभाग आपकी सम्पत्ति को सीज़ नहीं कर सकते है। उन्होंने कहा कि करदाताओं और पेशेवरों के लिए सर्च और सर्वे के बीच का अंतर समझना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सर्वे की कार्रवाई केवल व्यवसायिक प्रतिष्ठानों या कार्यस्थलों पर की जा सकती है, जबकि सर्च की कार्रवाई आवासीय और व्यवसायिक दोनों परिसरों में संभव है। उन्होंने यह भी बताया कि सर्वे के दौरान आयकर विभाग को किसी संपत्ति, नकदी या अन्य परिसंपत्तियों को जब्त करने का अधिकार नहीं होता, जबकि सर्च की स्थिति में कानून के तहत जब्ती की कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने विभिन्न न्यायिक निर्णयों और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से विषय को सरल ढंग से समझाया। मीडिया प्रभारी सीए हिमांशु लोढ़ा ने बताया की अंतिम सेशन में सेशन चेयरमैन सीए आलोक पलोड, पूर्व अध्यक्ष भीलवाड़ा के नेतृत्व में एडवोकेट सीए पंकज सराओगी दिल्ली ने नए अधिनियम में पूंजीगत लाभ के तहत टैक्स प्लानिंग पर गहन चर्चा की, साथ ही सीआईआरसी सचिव सीए निर्भीक गांधी की भी उपस्थिति रही । दो दिवसीय कॉन्फ्रेन्स के कार्यक्रम संयोजक सीए हितेश भदादा, एवं कार्यक्रम सलाहकार सीए अरुण रत्नावत, सीए मनीष खमेसरा, सीए ललित सामर, सीए राजन बया, सीए प्रीतेश जैन की महत्वपूर्ण भूमिका रही । - इन सभी सदस्यों का हुआ विशेष सम्मान कार्यक्रम के तहत विभिन्न कमेटी के कोऑर्डिनेटर के रूप में सीए अभिषेक संचेती, सीए वैभव तलेसरा, सीए विशाल मेनारिया, सीए कुणाल अग्रवाल, सीए रौनक जैन, सीए प्रकाश प्रजापत, सीए रौनक शुक्ला, सीए हार्दिक जैन, सीए हितेश गोस्वामी, सीए तेजल मंगल, सीए मधु चंडालिया, सीए आँचल पचोरी, सीए प्रज्ञा सोनी, सीए नरेश सुथार, सीए शुभम भोलावत, सीए साक्षी जैन, सीए नेहल गुप्ता, सीए दीपक श्रीमाली, सीए हिमांशु लोढ़ा, सीए निखिल उपाध्याय, सीए दीपक पटेल, सीए स्नेहिल शाह, सीए रौनक रांका, सीए राहुल सेठिया के विशेष सहयोग के लिए मैनेजिंग कमेटी द्वारा विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सीए कपिल जोशी, कोषाध्यक्ष, सीए धर्मेंद्र कोठारी, सिकासा अध्यक्ष, सीए राहुल माहेश्वरी, पूर्व अध्यक्ष ने सभी कमेटियों के समन्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समापन समारोह मे शाखा सचिव सीए अरुण गेलडा ने सभी का धन्यवाद व आभार ज्ञापित किया ।

राष्ट्रीय मंच पर चमका सेंट एंथनी स्कूल, 'गौरी की गौरव गाथा' ने जीता सर्वश्रेष्ठ बाल नाटक का खिताब

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रतिभा, मेहनत और सामाजिक सरोकारों से सजी एक प्रभावशाली प्रस्तुति ने राष्ट्रीय स्तर पर उदयपुर का परचम लहरा दिया। शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थिएटर में आयोजित 71वीं अखिल भारतीय नृत्य एवं नाटक प्रतियोगिता में सेंट एंथनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, उदयपुर के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न केवल विद्यालय बल्कि पूरे राजस्थान का नाम रोशन किया। विद्यालय की नाट्य प्रस्तुति "गौरी की गौरव गाथा" को प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ बाल नाटक (बेस्ट चिल्ड्रन ड्रामा अवार्ड) का प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

बालिका शिक्षा, सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष, वैज्ञानिक सोच और सकारात्मक बदलाव जैसे विषयों पर आधारित इस नाटक ने अपनी सशक्त कहानी, प्रभावी अभिनय और भावनात्मक प्रस्तुति से निर्णायकों और दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया। मंच पर प्रस्तुत हर दृश्य ने समाज को एक सार्थक संदेश देने का काम किया, जिसके चलते इसे प्रतियोगिता की सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति का सम्मान मिला।

व्यक्तिगत श्रेणियों में भी विद्यार्थियों का जलवा

सिर्फ समूह प्रस्तुति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत अभिनय श्रेणियों में भी सेंट एंथनी स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। मेहरोज हुसैन को सर्वश्रेष्ठ बाल अभिनेता का पुरस्कार मिला, जबकि भाविनी भटनागर ने सर्वश्रेष्ठ बाल अभिनेत्री का खिताब अपने नाम किया। तनिष्क ओझा को द्वितीय सर्वश्रेष्ठ बाल अभिनेता, धीर शाह को तृतीय सर्वश्रेष्ठ बाल अभिनेता तथा वंशिका चौहान को विशेष अभिनय सम्मान से नवाजा गया। नाटक में कुल 15 विद्यार्थियों ने अपनी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन किया और हर किरदार को पूरी संवेदनशीलता के साथ मंच पर उतारा। भाविनी भटनागर ने गौरी, आनंदीबाई और पोती की भूमिका निभाते हुए एक जागरूक एवं संघर्षशील बालिका के चरित्र को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। मेहरोज हुसैन ने रामलाल के रूप में परंपरागत सोच और सामाजिक बदलाव के बीच जूझते पिता का किरदार निभाया। शिका चौहान ने सीता के रूप में संवेदनशील और सहयोगी महिला का सशक्त चित्रण किया, जबकि तनिष्क ओझा ने मास्टरजी बनकर शिक्षा और जागरूकता का संदेश दिया। धीर शाह ने मोहन के रूप में परिवर्तन के समर्थक युवा की भूमिका निभाई और सिद्धार्थ शर्मा ने लल्लू व मुखिया बनकर ग्रामीण नेतृत्व का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

इसके अलावा वंश बादला (केसरलाल), भूमिका बंसल (चंदा), युवराज सिंह अरोड़ा (वैज्ञानिक एवं दूल्हा), हिरेन चोबिसा (तांत्रिक एवं टीचर-2), कृतार्थ शर्मा (चेला, गाँव वाला-4 एवं झबरु), पियुषा भटनागर (बहू एवं नैरेटर), पूर्वांश गंगावत (गाँव वाला-2 एवं पवन), नयन राज सिंह पंवार (गाँव वाला-3 एवं राकेस) तथा प्रियंश चौधरी ने भी अपने-अपने पात्रों को जीवंत बनाकर प्रस्तुति को प्रभावशाली ऊंचाई प्रदान की।

निर्देशन और संदेश ने जीता दिल

इस पुरस्कार विजेता नाटक का निर्देशन विद्यालय के नाट्य प्रशिक्षक विरेन्द्र सिंह रावत के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने कलाकारों की अभिनय क्षमता को निखारते हुए मंचन को इस तरह तैयार किया कि हर दृश्य दर्शकों के मन पर गहरी छाप छोड़ गया। प्रस्तुति ने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने, अंधविश्वास के स्थान पर वैज्ञानिक सोच अपनाने और सामाजिक चेतना विकसित करने का मजबूत संदेश दिया।

विद्यालय में खुशी की लहर

राष्ट्रीय स्तर पर मिली इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में उत्साह का माहौल है। स्कूल प्रबंधन ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों, प्रशिक्षकों और सहयोगियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता टीमवर्क, अनुशासन और रचनात्मक सोच का परिणाम है। विद्यालय ने विश्वास जताया कि भविष्य में भी उसके विद्यार्थी इसी प्रकार राष्ट्रीय मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उदयपुर और राजस्थान का गौरव बढ़ाते रहेंगे।

महेश नवमी महोत्सव : पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता का आगाज, आठ टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले शुरू

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जय महेश प्रगति सेवा संस्थान, महेश सेवा समिति, महेश महिला परिषद एवं महेश नवयुवक मंडल, हिरण मगरी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित महेश नवमी महोत्सव-2026 के अंतर्गत शनिवार को पुरुष वर्ग की क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन सुबह 7 बजे अपेक्स स्पोर्ट्स एकेडमी (आर्ची लवनेश अपार्टमेंट के पीछे, गीतांजलि हॉस्पिटल के पास) में किया गया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ समाजसेवी एवं प्रबुद्ध व्यवसायी प्रमोद माहेश्वरी, विजयकृष्ण राठी, कैलाश झंवर, विपिन माहेश्वरी, देवेंद्र मालीवाल तथा महेश महिला परिषद की अध्यक्ष मंजू गांधी ने किया। क्रिकेट प्रतियोगिता में समाज की कुल आठ टीमें भाग ले रही हैं। इनमें राज रॉयल्स, हाउस ऑफ फ्यून्स स्ट्राइक्स, प्रोमेटक लायंस, जेपी पैंथर्स, तिरुपति सुपर किंग्स, आरएमईएस वॉरियर्स, अनुभव नाइट राइडर्स और झंवर स्मैशर्स शामिल हैं। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया। संस्थान के अध्यक्ष रमेशचंद्र पोरवाल एवं सचिव गोपाललाल चंडक ने बताया कि महेश नवमी महोत्सव के तहत आयोजित इस प्रतियोगिता में युवा खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए बड़ी संख्या में समाजजन भी अपेक्स स्पोर्ट्स एकेडमी पहुंचे।

आचार्य अभयदेव सूरीश्वर व आचार्य मोक्षरत्न सूरीश्वर महाराज का मालदास स्ट्रीट आराधना भवन में हुआ मंगल प्रवेश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 13 जून। श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक श्री संघ, आराधना भवन मालदास स्ट्रीट में तपा गच्छाधिपति प्रवर समिति कार्यवाहक, महामांगलिक प्रदाता गच्छाधिपति आचार्य भगवंत विजय अभयदेव सूरीश्वर महाराज (डहेला वाला), आचार्य विजय मोक्षरत्न सूरीश्वर महाराज, गणिवर्य देवर्षि रत्न विजय महाराज आदि श्रमण श्रमणी भगवंत का हर्षोल्लास के साथ मंगल प्रवेश हुआ । श्रीसंघ के कोषाध्यक्ष राजेश जावरिया ने बताया कि प्रातः 7.15 बजे चतुर्विध संघ के साथ हाथीपोल जैन धर्मशाला से शोभायात्रा प्रारम्भ हुई । जो विभिन्न मार्गों से होती हुई मालदास स्ट्रीट स्थित आराधना भवन पहुंची। शोभायात्रा में श्री हीर सूरी जैन पाठशाला के बालक - बालिकाएं अपने हाथों में जैन ध्वज लेकर सामैया में सबसे आगे चल रहे। बैण्ड बाजे की मधुर स्वर लहरी के साथ आचार्य भगवंत विजय अभयदेव सूरीश्वर महाराज, आचार्य विजय मोक्षरत्न सूरीश्वर महाराज आदि ठाणा के साथ श्रीसंघ अध्यक्ष डॉ शैलेन्द्र हिरन, मंत्री कुलदीप नाहर , उपाध्यक्ष ताराचंद पोरवाल, कोषाध्यक्ष राजेश जावरिया, प्रकाश गांधी, राकेश चेलावत सहित सैंकड़ों श्रावकों ने आचार्य के जयघोष के नारों के साथ चल रहे थे। तत्पश्चात सभी साध्वी जी के साथ सैंकड़ों श्राविकाएं मंगल गीत गाते हुए चली ।

St. Anthony's Sr. Sec. School

UDAIPUR [RAJ.]

KUDOS TO OUR SHINING STARS FOR THEIR INCREDIBLE SUCCESS AND ACHIEVEMENTS! THANK YOU ST. ANTHONY

Celebrating the Foundation Day of the School & the Blessed Feast of St. Anthony of Padua.
We thank all our devoted and dedicated Teachers, Coaches, Parents, and Support Staff, for their whole hearted contribution in shaping our Students

Sirjan Singh Deol

National Swimmer

Parth Nandwana

National Runners Up
INDIAN ARMY QUIZ

Lavya Gupta

National Runners Up
INDIAN ARMY QUIZ

Anvi Mehta

School Topper
Scored 97.2% [X]

Gargi Paliwal

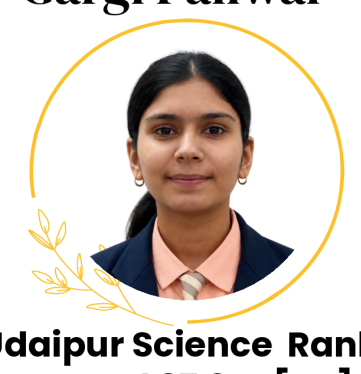

Udaipur Science Rank 1
Scored 97.2% [XII]
Udaipur Girls
Rank 1 JEE Mains

X BOARD TOPPERS & ACHIEVERS

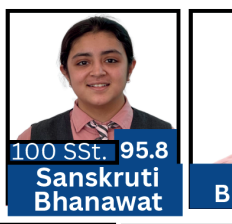

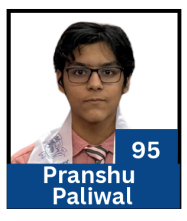

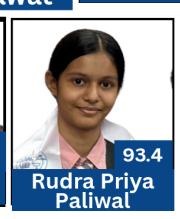

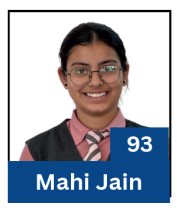

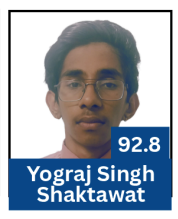

Gourang Shah
Scored 95% [X]
Cleared Aryabhatta Ganit Challenge 2025- Stage 2
Selected in Top 100 Students in INDIA

Nayomi Menaria
Scored 94% [X]
Eloquent Wordsmith

XII BOARD TOPPERS & ACADEMIC ACHIEVERS

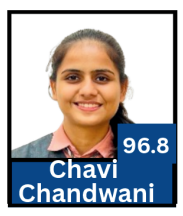

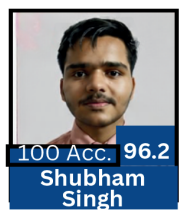

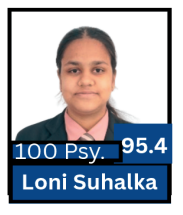

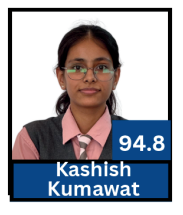

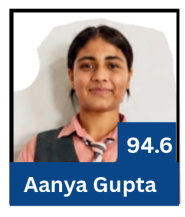

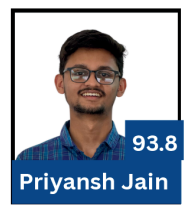

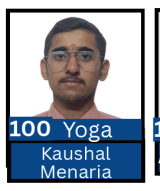

26 Students Scored 100/100
in Social Studies, Accountancy, Business Studies, Psychology, Painting, Political Science and Yoga in BOARD EXAMS 2026

107 State Players Selection
22 District & 8 Zonal Championships
27 C.B.S.E National Players

80 Students Secured above 90% Marks

8 STUDENTS RECEIVED THE PRESTIGIOUS MAHARANA MEWAR FOUNDAATION AWARDS
Prestigious Academic Accolades & National Level Exams Cleared

Our National Achievers

CHESS

CRICKET

CRICKET

FENCING

BOXING

BOXING

SHOOTING

TABLE TENNIS

SKATING

BADMINTON

CHESS

CHESS

QUIZ

JUDO

FOOTBALL

KATHAK

Soumya Menaria

C.B.S.E. Boxing National Gold Medalist

Natasha Meena

C.B.S.E. Cricket National Medalist

Bhavishya Ahari

CBSE & SGFI Skating National Player

Vibhuti Mod

C.B.S.E. Boxing National Medalist

Khushbu Sharma

SGFI National Volleyball Player

Doris Sharma

Published Artist & Independent Album

Student Honours

Literary Team

SCIENCE TEAM
Maadhav Trivedi & Siddharth Sharma

ACTIVITY TEAM

Aureate Quill Fest,, Delhi Public School

National AIAA Winners & Best Actors Awards

We are all Proud of you. With a Well-Earned Feather In Your Cap, Soar Higher and Higher!
From all the Students, The Staff, The Principal, and The Management. GOD BLESS

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ऐतिहासिक पहल

राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी-2026

राजस्थान को वैश्विक पहचान मिलेगी

तकनीकी प्रगति और आर्थिक विकास के पथ पर अग्रसर होने के साथ रोजगार सृजन की दिशा में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

- इसी क्रम में वैश्विक अर्थव्यवस्था में आधुनिक तकनीक की रीढ़ बन चुके सेमीकंडक्टर उद्योग की महत्ता को समझते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में 'राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी-2026' जारी कर ऐतिहासिक पहल की गई है।
- इस नीति के जरिए ना केवल प्रदेश में निवेश बढ़ेगा, बल्कि रोजगार, कौशल विकास और तकनीकी नवाचार को भी नई दिशा मिलेगी।
- देश में मेक इन इंडिया, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स डिजाइन एंड मैन्यूफैक्चरिंग, सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम और इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन जैसी पहल ने सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के लिए मजबूत इकोसिस्टम बनाया है।
- केंद्रीय बजट में भी 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0' के लिए 40 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। साथ ही, 'प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव' के लाभ भी दिए जा रहे हैं।
- ये कदम देश को तकनीक के क्षेत्र में अग्रणी देशों के साथ खड़ा करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं और राजस्थान सेमीकंडक्टर नीति-2026 के जरिए प्रदेश इस मैराथन में अपना अहम योगदान देने जा रहा है।

वैश्विक सेमीकंडक्टर निर्माण का राजस्थान प्रमुख केंद्र बनेगा

वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, ऑटोमोबाइल, रक्षा और डिजिटल अर्थव्यवस्था में सेमीकंडक्टर उद्योग निर्णायक बन रहा है।

- यह नीति राजस्थान को देश में वैश्विक सेमीकंडक्टर निर्माण का प्रमुख केंद्र बनाने तथा आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेम्बली एण्ड टेस्ट के साथ असेम्बली, टेस्टिंग, मार्किंग एण्ड पैकेजिंग और सेंसर्स के क्षेत्रों में निवेशकों को आकर्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।
- यह नीति सेमीकंडक्टर के स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ ही उच्च तकनीक पर आधारित रोजगार के नए अवसर सृजित भी करेगी।

मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित कर रही राज्य सरकार

राजस्थान सेमीकंडक्टर नीति-2026 केवल उत्पादन तक सीमित नहीं होकर इससे जुड़ी पूरी वेल्यू-चेन को कवर करती है।

- नीति के तहत सेमीकंडक्टर अनुसंधान, डिजाइन, उत्पादन, परीक्षण एवं पैकेजिंग जैसे सभी चरण शामिल किए गए हैं, जिससे राजस्थान में मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित होगा। इसी के मद्देनजर जोधपुर-पाली-मारवाड़ औद्योगिक क्षेत्र, कांकणी औद्योगिक क्षेत्र एवं अन्य क्लस्टर प्राथमिक सेमीकंडक्टर कॉरिडोर के रूप में विकसित किए जाएंगे।
- इससे उद्योगों को भूमि आवंटन और सिंगल विंडो सिस्टम के साथ ही बिजली, पानी, सड़क जैसी आधारभूत सुविधाएं त्वरित गति से उपलब्ध कराई जा सकेंगी।
- साथ ही, विश्व स्तरीय सेमीकंडक्टर पार्कों का विकास और फैबलेस डिजाइन पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाया जाएगा।

निवेश को आकर्षित करने के लिए नीति में विशेष प्रावधान

सेमीकंडक्टर मैन्युफैचरिंग पैकेज के तहत निवेश को आकर्षित करने के लिए नीति में विशेष प्रावधान किए गए हैं। इसमें प्रोजेक्ट्स को 7 वर्षों तक विद्युत शुल्क में 100% छूट, स्टाम्प शुल्क और भू-रूपान्तरण शुल्क में 75% छूट एवं 25% का पुनर्भरण का प्रावधान शामिल है। साथ ही, इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत स्वीकृत पूंजी सब्सिडी का 60% अनुदान एवं पूंजीगत निवेश को बढ़ावा देने के लिए टर्म लोन पर 5% ब्याज अनुदान भी प्रदान किया जाएगा। औद्योगिक विकास के साथ पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। इसके तहत पात्र उद्योगों को पर्यावरणीय प्रोजेक्ट्स की लागत का 50% पुनर्भरण, कैप्टिव रिन्यूएबल एनर्जी वाले प्रोजेक्ट्स के लिए 7 वर्षों तक विद्युत शुल्क में 100% छूट एवं राजस्थान ग्रीन रेटिंग सिस्टम के तहत सहमति शुल्क में 50% छूट का प्रावधान किया गया है।

साई तिरुपति विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षांत समारोह सम्पन्न, 212 विद्यार्थियों को मिली डिग्री और शोध उपाधियां

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उमरड़ा स्थित साई तिरुपति विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षांत समारोह शनिवार को मेवाड़ बेनक्वेट हॉल में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह में चिकित्सा और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को डिग्रियां, पीएचडी की उपाधियां और स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पिम्स मेडिकल कॉलेज के 125 एमबीबीएस विद्यार्थियों, 58 एमडी-एमएस स्नातकोत्तर छात्रों तथा विश्वविद्यालय के 29 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई, जबकि स्वर्ण पदक विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के साथ शुरू हुए समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन आशीष अग्रवाल ने की। अपने स्वागत उद्बोधन में कुलपति प्रो. डॉ. प्रशांत नाहर ने वर्ष 2016 में स्थापित साई तिरुपति विश्वविद्यालय की एक दशक की विकास यात्रा का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने इस दौरान आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं, डिजिटलीकरण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के समावेश, नए पाठ्यक्रमों, शोध कार्यक्रमों, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। साथ ही उन्होंने दक्षिणी राजस्थान के प्रमुख चिकित्सा संस्थान पिम्स हॉस्पिटल की अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं और उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्रीमती शीतल अग्रवाल ने डिग्री और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं बल्कि मानव सेवा का सर्वोच्च माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करने और अपने ज्ञान का उपयोग मानवता के कल्याण के लिए करने का आह्वान किया। एमडी नमन अग्रवाल ने विश्वविद्यालय और पिम्स की भावी योजनाओं की जानकारी देते हुए संस्थान की प्रगति में चिकित्सकों, फैकल्टी सदस्यों और कर्मचारियों के योगदान की सराहना की। वहीं पिम्स मेडिकल कॉलेज के डीन प्रो. डॉ. सुरेश गोयल ने मेडिकल स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करने के बाद हिप्पोक्रेटिक शपथ दिलाई और उन्हें चिकित्सा नैतिकता के साथ जनसेवा के लिए समर्पित रहने का संकल्प दिलाया। समारोह के मुख्य अतिथि रवीन्द्रनाथ टैगोर मेडिकल कॉलेज (आरएनटी) उदयपुर के प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. राहुल जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें मिली डिग्री केवल एक प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि समाज और मानवता के विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं और ऐसे समय में डॉक्टरों को केवल इलाज ही नहीं बल्कि मरीजों और उनके परिजनों के साथ संवेदनशील व्यवहार भी बनाए रखना चाहिए। डॉ. राहुल जैन ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि अस्पताल आने वाला कोई भी व्यक्ति घूमने नहीं बल्कि उम्मीद और विश्वास लेकर आता है। इसलिए डॉक्टरों का दायित्व है कि वे मरीज की मानसिक और आर्थिक परिस्थितियों को समझते हुए उसका उपचार करें। उन्होंने कहा कि मरीज अक्सर दवाइयों के नाम या उपचार की तकनीक नहीं याद रखता, लेकिन डॉक्टर का व्यवहार और संवेदनशीलता जीवनभर उसके मन में बनी रहती है। यदि मरीज और परिजन संतुष्ट होकर दुआएं देकर जाते हैं तो वही एक चिकित्सक की सबसे बड़ी पूंजी होती है। समारोह के अंत में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. देवेंद्र जैन ने मुख्य अतिथियों, बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट एवं अकादमिक काउंसिल के सदस्यों, विभिन्न संघटक महाविद्यालयों के डीन, फैकल्टी सदस्यों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, अभिभावकों और आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नरेंद्र सिंह गोयल ने किया। दीक्षांत समारोह के दौरान विद्यार्थियों और उनके परिजनों में उत्साह और गर्व का विशेष माहौल देखने को मिला।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।